Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2018 = 6.371, www.srjis.com
PEER REVIEWED & REFERRED JOURNAL, MAY-JUNE, 2019, VOL- 6/51

सेवापूर्व छात्र अध्यापकों की कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन

केसर सिंह

शोध छात्र,महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा, महाराष्ट्र-442001

Abstract

प्रस्तुत शोध पत्र में सेवापूर्व छात्र अध्यापकों की कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया गया है । शोध का प्रमुख उद्देश्य छात्राध्यापकों की कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रतिअभिवृत्ति का अध्ययन करना था। प्रस्तुत अध्ययन हेतु शोधार्थी ने सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया। प्रस्तुत शोध के लिएसोद्देश्यपूर्ण न्यादर्शनप्रविधि द्वारा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानभोपाल,क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान अजमेर,महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय गया, डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, सेकुल430 छात्र अध्यापकों का चयन किया गया ।प्रदात्तों के संकलन हेतु स्वनिर्मित "कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति मापनी" का निर्माण किया गया। शोध कार्य के उद्देश्य की पूर्ति हेतु सर्वेक्षण विधि द्वारा प्रदत्तों का संग्रहण किया गया।प्रदात्तों के संग्रहण के पश्चात उनका विश्लेषण एवं विवेचन किया गया। प्रदत्तों के विश्लेषण से यह पाया गया कि छात्राध्यापकों की कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति सकारात्मक है।

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तावना

शिक्षा लोगों को ज्ञानऔरकौशल से परिपूर्ण करने की एक प्रक्रिया है । यह शिक्षण, निर्देशन या विद्यालय शिक्षा द्वारा एक व्यक्ति की शक्तियों को विकसित करने की प्रक्रिया है।यह विशेष रूप से युवा के लिए उन्हें जीवन के लिए तैयार करने के लिएआवश्यक जानकारी, कौशल, मूल्य और दृष्टिकोण लेने के लिए एक व्यवस्थित प्रशिक्षण और निर्देश है।शिक्षा व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से चलाने के लिए वर्षों से गुणवत्तापूर्ण अध्यापक की बहुत मांग हैं। एक गुणवत्तापूर्ण अध्यापक तैयार करने के लिए सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा की रूपरेखा सही प्रकार से तैयार करनी होगी।सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा मेंअभ्यास शिक्षण सबसे महत्वपूर्ण व्यावहारिक गतिविधियों में से एक है।अध्यापक के महत्त्व के सम्बन्ध में डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा है कि "अध्यापक का समाज में बहुत महत्वपूर्ण स्थान हैं, वह एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को बौद्धिक, सांस्कृतिकऔर तकनीकी कौशलों को पहुचाने में मुख्य भूमिका अदा करता हैं और सभ्यता के दीपक को जलाये रखता हैं"।शिक्षक शिक्षा एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है तथा इसके दोनों घटक सेवापूर्व और सेवारत एक दूसरे के पूरक हैं।डब्ल्यू० एच० किल्पैट्रिक ने अध्यापक शिक्षा के बारे मेंकहा हैकि प्रशिक्षणजानवरों और सर्कस कलाकारों को दिया जाता है, परन्तु अध्यापकों को शिक्षा दी जाती हैं।शिक्षक शिक्षा में शिक्षण कौशल,शिक्षणशास्त्रीय सिद्धांत और व्यवसायिक कौशल शामिल है।शिक्षक शिक्षा के बारे में मत हैं कि एक राष्ट्र की गुणवत्ता उसके नागरिकों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है ।भारतीय शिक्षक शिक्षा का इतिहास प्राचीनकल से शुरू होकर मध्ययुगीन काल, बौद्ध काल, मुस्लिम काल,ब्रिटिश काल से होते हुए स्वतंत्र भारत में शिक्षक शिक्षा 1947 से अब तक हैं। बहुत से आयोग और समितियों ने अध्यापक शिक्षा में सुधर के लिए सुझाव दिए जिससे छात्र अध्यापकों में कौशल विकास हो सकें।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

एन.सी.एफ. (2005) और शिक्षक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रुपरेखा(एनसीएफटीई, 2009) ने शिक्षक शिक्षा की वर्तमान चिंताओं का वर्णन करते हुए कहा है कि- अध्यापकों की भाषा की प्रवीणता को बढ़ाया जाना चाहिए।छात्र अध्यापक या नियमित अध्यापकों द्वारा पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों की गंभीर रूप से जांच की जानी चाहिए ।वर्तमान में वैचारिक और शैक्षणिक पहलुओं के अलावा, मौजूदा कार्यक्रमोंद्वाराअध्यापकों में खास अभिवृत्ति,स्वभाव, आदतों और रुचियाँ को विकसित करने की आवश्यकता है।इन पक्षों के मूल्यांकन के लिए व्यवस्था की जानी चाहिए।वर्तमान अध्यापक शिक्षा में व्यावसायिक विकास के लिए पाठ योजनाओंकी एकनिश्चित संख्या के अभ्यास को पर्याप्त माना जाता है।यह माना जाता है कि सीखने के सिद्धांतों और मॉडलों तथा शिक्षण विधियां के बीच संबंध छात्र अध्यापकों द्वारा अपनी समझ से अपने आप विकसित कर लिए जाते हैं तथाशिक्षणात्मक ज्ञान को व्यवसायिक प्रशिक्षण में स्वतंत्र प्रशिक्षण के रूप में देखा जाता है। अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम छात्र अध्यापकोंको उनके स्वयं के अनुभवों को प्रदर्शित करने के लिए बहुत कम अवसर प्रदान करते हैं तथासैद्धांतिक पाठ्यक्रम का व्यावहारिक कार्य और वास्तविकताओं के साथ कोई स्पष्ट सम्बन्ध नहीं है। अतः शोधकर्ता द्वारा अध्यापक शिक्षा के बदले हुए पाठयक्रम के कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रति छात्राध्यापकों की अभिवृत्ति का अध्ययन करना और भी आवश्यक हो गया हैं।

शोध का औचित्य

वर्तमान समय में बीएड पाठयक्रम एक वर्ष से द्विवर्षीय कर दिया गया है और अब अध्यापक शिक्षा को भारत में पूर्ण रूप से चार वर्षीय कार्यक्रम बनाने का प्रस्ताव आ चूका हैं। एक वर्ष से द्विवर्षीय होने से अध्यापक शिक्षा में प्रयोगात्मक समय को बढ़ा दिया गया हैं जिससे छात्र अध्यापकों को विद्यालय प्रशिक्षण के दौरान विद्यालय के वास्तविक अनुभव प्राप्त हो सके ।अध्यापक शिक्षा को एकवर्षीय से द्विवर्षीय होने से पाठ्यक्रम में कुछ और कौशल विकास कार्यक्रम जोड़े गये हैं तथा कुछ कार्यकर्मो का समय भी बढ़ाया गया हैं। जिससे छात्र शिक्षक में ज्यादा से ज्यादा कौशलों का विकास हो और ये योग्य तथा दक्षतापूर्ण शिक्षक बन सके। वर्तमान मांग यह हैं कि अध्यापक शिक्षा के एकवर्षीय से द्विवर्षीय होने से छात्र अध्यापकों के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों जो बदलाव हुए हैं उनके प्रति छात्र अध्यापकों की अभिवृत्ति का अध्ययन किया जाये जिससे इन कौशल विकास कार्यक्रमों का मूल्यांकन तथा विश्लेषण किया जाये तथा इनकी प्रभावशीलता जांची जा सके तथा क्या-क्या नये बदलावों की आवश्यकता हैं? उसका पता लगाया जा सकें। प्रस्तुत शोध के माध्यम से विभिन्न शिक्षक संस्थानों में संचालित इन्ही कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रति छात्र अध्यापकों की अभिवृत्ति का पता लगाने का प्रयास किया गया हैं जिससे कार्यक्रम की प्रभावशीलता व उपयोगिता तथा अध्यापक शिक्षा से सम्बंधित समस्याओं को समझाजा सकें। यह लघु शोध शिक्षक प्रशिक्षण से जुड़े संस्थानों को शिक्षक शिक्षा कार्यकर्मो में नयापन,एकरूपता लाने में सहायता करेगा।

शोध उद्देश्य

अध्यापक शिक्षा संस्थानों के छात्र अध्यापकों की प्रचलित कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

शोध विधि

प्रस्तुत लघु शोध अध्ययन में समस्या के अनुरूप वर्णात्मक शोधसर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

प्रतिदर्श एवं प्रतिदर्शन प्राविधि

प्रस्तुत लघु शोध में प्रतिदर्श चयन अथवा प्रदर्शन हेतु सोद्देश्य प्रतिदर्शन प्रविधि का उपयोग किया गया। प्रतिदर्श के रूप मेंप्रस्तुत शोध अध्ययन में कुल 430छात्र अध्यापकों को उद्देश्यपूर्ण न्यादर्शनप्रविधि से चुना गया । जिनमें दो वर्षीय बी.एड. के 150 छात्र अध्यापक (क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान ,अजमेर,म.गाँ.अ.हि.वि.वि., वर्धातथा देवी अहिल्या वि. वि., इंदौर के 50-50 छात्र अध्यापक), बी.ए.- बी.एड. और बी.एस-सी.-बी.एड. के 280 छात्र अध्यापक (क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर,क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल,दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय,गया तथाडॉ.हरि सिंह गौड़ वि.वि., सागर के 70-70छात्र अध्यापक)छात्र अध्यापकोंको सम्मलित किया गया ।

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध की प्रकृति के अनुसार कोई भी शोध उपकरण उपलब्ध नहीं पाया गया, इसलिए शोधार्थी द्वारा कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रतिस्वनिर्मितअभिवृत्ति मापनी का निर्माण किया गया।

अभिवृत्ति मापनी में निम्न आयामों से सम्बंधित कथनों को सम्मलित किया गया-

- **शिक्षण अभ्यास पूर्व कौशल विकास क्रियाकलाप (Skill development activities before teaching practice)**

  a. उन्मुखीकरण कार्यक्रम (Orientation Programme)

  b. सूक्ष्म शिक्षण (Microteaching)

  c.पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन (Lesson Planning andImplementation)

  d.कौशल एकीकरण (Skill Integration)

  e.अनुरूपण शिक्षण (Simulation Teaching)

- पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन (Lesson Planning andImplementation)
- विद्यालय प्रशिक्षण (Internship)कार्यक्रम
- व्यावसायिक दक्षता संवर्धन कार्यक्रम (Professional Competence Enrichment Programme) ।

अभिवृत्ति मापनी की फलांकन प्रक्रिया

अभिवृत्ति मापनी के माध्यम से एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण प्रत्येक कथन का कुल अंक लेकर किया गया। अभिवृत्ति मापनी में पूर्णत: सहमत, सहमत,अनिश्चित,असहमत,पूर्णत: असहमत प्रकार के विकल्प थे। जिसमे सकारात्मक कथनों में पूर्णत: सहमत के लिए 05, सहमत के लिए 04,अनिश्चित के लिए 03,असहमत के लिए 02 और पूर्णत: असहमत के लिए 01 अंक दिए गये। ऋणात्मक कथनों के लिए पूर्णत: सहमत के लिए 01, सहमत 02,अनिश्चित 03,असहमत 04,पूर्णत: असहमत के लिए 05 अंक

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

दिए गये। इस प्रकार अभिवृत्ति मापनी का न्यूनतम प्राप्तांक 32 तथा अधिकतम प्राप्तांक 160 थे ।इस प्रकार स्कोर करने के बादफिरप्रदत्तोंका विश्लेषण विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकोंका उपयोग करके किया गया था।

प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियां

प्रस्तुत शोध के लिए अभिवृत्ति मापनी द्वारा संकलित प्रदत्तों को अर्थपूर्ण बनाने एवं परिणामों की व्याख्या हेतु प्रतिशत, मध्यमान, मानक विचलन और विचरणशीलता गुणांक सांख्यिकीय प्रविधियों का उपयोग किया गया।

प्रदत्तों का विश्लेषण

शोध के उद्देश्य "अध्यापक शिक्षा संस्थानों के छात्र अध्यापकों की प्रचलित कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना" के लिए प्रदत्तों के विश्लेषण निम्नलिखित अनुसार हैं-

सारणीसंख्या- 01:कथन के अनुसार छात्र अध्यापकों की कौशल विकासकार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति के प्रति प्रतिक्रियाए, मध्यमान और प्रतिशत (*मोटे अक्षरों में नकारात्मक प्रविष्टियाँ हैं)

क्र. सं.	कथन	पू०सं.	सं.	अ०	असं.	पू० असं.	माध्य	%
01	अध्यापक शिक्षा में सूक्ष्म शिक्षण अति आवश्यक कार्यक्रम हैं ,इसके द्वारा छात्र-अध्यापकों के शिक्षण व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन होता है।	268	150	08	02	02	4.58	91.6
02	**छात्र अध्यापक इंटर्नशिप के दौरान पूरे दिन विद्यालयकी गतिविधियों में भाग लेते हैं इसलिए इंटर्नशिप पूर्व विद्यालयसंपर्क कार्यक्रम का कोई लाभ नहीं हैं।***	**14**	**53**	**75**	**154**	**134**	**3.79**	**75.8**
03	अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान में भाषा दक्षता कार्यशाला के आयोजन से छात्र-अध्यापकों को भाषागत कमजोरियों को सुधारने में मदद मिलती हैं।	190	194	35	06	05	4.29	85.8
04	स्वयं की समझ कार्यक्रम से स्व-विकास में सहायता मिलती हैं।	199	189	30	10	02	4.33	86.6
05	अध्यापक-शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान तथा केस स्टडी महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं इनके द्वारा छात्र-अध्यापक विद्यालय एवं विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करते हैं।	167	211	41	10	01	4.23	84.6
06.	**कौशल एकीकरण सम्पूर्ण शिक्षण नहीं हैं । इसलिए इसका अभ्यास व्यर्थ हैं।***	**16**	**33**	**95**	**162**	**124**	**3.80**	**76.00**
07	**शिक्षण सहायक सामग्री के प्रयोग से शिक्षण में विद्यार्थियों का ध्यान भंग होता हैं।***	**18**	**26**	**54**	**138**	**194**	**4.07**	**81.4**
0	**छात्र-अध्यापक रिफ्लेक्टिव डायरी में सही**	**15**	**86**	**98**	**142**	**89**	**3.47**	**69.4**

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

8	**तथ्य नहीं लिखते हैं इसलिए इसे लिखने का कोई उपयोग नहीं है।***							
09	शिक्षण संस्थान में ICT के उपयोग का ज्ञान छात्र-अध्यापकों को दिया जाना चाहिए क्योकि शिक्षण में ICT के प्रयोग से शिक्षण प्रभावी हो जाता हैं।	283	120	18	07	02	4.56	91.2
10	**अनुरूपण शिक्षण कृत्रिम परिस्थितियों में किया जाता हैं, इसलिए वास्तविक शिक्षण में छात्र अध्यापकों को इसका कोई लाभ नही मिल पता हैं।***	**30**	**65**	**100**	**163**	**72**	**3.42**	**68.4**
11	पाठ योजना निर्माण कार्यशाला में वर्तमान अवश्यकताओं के अनुसार नूतन विधियों एवं प्रविधियों का प्रयोग करके पाठ योजना तैयार करना सिखाया जाता हैं इसलिए यह कार्यशाला छात्र अध्यापकों के लिए उपयोगी हैं।	231	165	22	07	05	4.41	88.2
12	**कला,हस्त और सौंदर्यशास्त्र(Art, Craft andAesthetics) कार्यशालाओं का आयोजन केवल समयकी बर्बादी है।***	**22**	**38**	**50**	**132**	**188**	**3.99**	**79.8**
13	**पाठ योजनाएं तैयार करना व्यर्थ है क्योंकि वास्तविक कक्षा परिस्थितियों में इनके अनुसार पढ़ाना संभव नहीं हो पाता है।***	**29**	**95**	**66**	**146**	**94**	**3.42**	**68.4**
14	अध्यापक-शिक्षा कार्यक्रम (B.Ed.) में इंटर्नशिप की काल अवधि शिक्षण में दक्षता की दृष्टि से उपयुक्त है।	160	200	33	27	10	4.1	82.00
15	अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों में छात्र-अध्यापकों के व्यावसायिक विकास के लिए व्यवस्थित ढंग से वर्तमान आवश्यकता अनुसार पर्याप्त कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।	69	173	94	71	23	3.45	69.00
16	इंटर्नशिप के दौरान जनरल या रिफ्लेक्टिव डायरी लिखने से छात्र-अध्यापकों में विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास होता है।	123	210	52	38	07	3.93	78.6
17	**सूक्ष्म शिक्षण में अधिक समय लगता हैं । इसके बिना भी छात्र-अध्यापकों में कौशल विकास किया जा सकता हैं।***	**27**	**78**	**73**	**161**	**91**	**3.49**	**69.8**
18	वर्तमान अध्यापक शिक्षा में इंटर्नशिप की अवधि (Internship) छात्र-अध्यापक को विद्यालय से सम्बंधित उत्तरदायित्वों के सफल निष्पादन में दक्ष करने के लिए पर्याप्त है।	83	199	80	60	08	3.67	73.4
19	**अध्यापक-शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान तथा केस स्टडी कार्यक्रम का कोई स्थान नहीं होना चाहिए क्योकि छात्र-अध्यापकों का**	**25**	**37**	**64**	**158**	**146**	**3.84**	**76.8**

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

	कार्य केवल शिक्षण करना हैं।*							
20	शिक्षण सहायक सामग्री के प्रयोग से शिक्षण और अधिक प्रभावी हो जाता हैं।	287	116	13	08	06	4.55	91.00
21	अनुरूपण शिक्षण का अनुभव वास्तविक शिक्षण में सहायक होता है इसलिए अनुरूपण शिक्षण वास्तविक शिक्षण काविकल्प हो सकता है।	87	195	105	25	18	3.71	74.2
22	कला,हस्त और सौंदर्यशास्त(Art, Craft andAesthetics) कार्यशाला का आयोजन छात्र-अध्यापकों को उनकी शिक्षण सहायक सामग्री बनाने एवं रचनात्मकता बढाने में सहायता करता है।	234	138	35	15	08	4.33	86.6
23	**अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम में शिक्षण सम्बंधित कार्यक्रम ही कराएँ जाने चाहिए योग आदि कार्यक्रमों का छात्र अध्यापकों को कोई लाभ नहीं होता हैं।***	**30**	**55**	**58**	**162**	**125**	**3.69**	**73.8**
24	विद्यालय संपर्क कार्यक्रम से छात्र-अध्यापकों को इंटर्नशिप पूर्व विद्यालयकी कार्य प्रणाली को समझने में सहायता मिलती हैं।	176	214	26	10	04	4.27	85.4
25	**विद्यालयों में ICT उपकरणों के उपयोग की व्यवस्था नहीं होती इसलिए ICT का ज्ञान छात्र-अध्यापकों के लिए उपयोगी नहीं हैं।***	**23**	**60**	**38**	**154**	**155**	**3.83**	**76.6**
26	कौशल एकीकरण के द्वारा छात्र-अध्यापकों में एक से अधिक शिक्षण कौशलों का विकास थोड़ी ही अवधि में हो जाता हैं।	64	216	82	62	06	3.62	72.4
27	**अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यालयकी वर्तमान जरूरतों के अनुसार अध्यापक तैयार नही कर रहे हैं।***	**45**	**89**	**133**	**115**	**48**	**3.07**	**61.4**
28	**छात्र-अध्यापक पहले से ही भाषा में दक्ष होते हैं इसलिए भाषा दक्षता कार्यशाला का आयोजन अनावश्यक हैं।***	**19**	**46**	**61**	**188**	**116**	**3.78**	**75.6**
29	अध्यापक-शिक्षा में योग के द्वारा छात्र अध्यापकों को अपने सवेगों को नियंत्रित करने के कौशल के विकास का अवसर मिलता हैं।	115	217	66	22	10	3.94	78.8
30	इंटर्नशिप में सीमित संख्या में पाठ योजनाओं का अभ्यास करने का अवसर मिलता हैं , इसलिए पाठ योजनाओं की संख्या एवं और समय अवधि को बढाया जाना चाहिए।	100	163	72	65	30	3.55	71.00
31	छात्र अध्यापकों के सामुदायिक कार्य में भाग लेने से उनको समाज के प्रति अपने कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों को समझने का अवसर मिलता हैं।	212	174	36	06	02	4.36	87.2
3	अध्यापक प्रशिक्षण पाठ्क्रम में सैद्धांतिक ज्ञान की	169	172	67	17	05	4.12	82.4

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

2	अपेक्षा व्यावहारिक ज्ञान को अधिक समय दिया जाना चाहिए।							
	औसतमध्यमान						3.92	

सारणीसंख्या- 02:कौशल विकासकार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान,माध्य विचलन एवं विचरणशील गुणांक

	N	Minimum	Maximum	Mean (%)	Std. Deviation	CV
Attitude	32	3.07	4.58	3.9269	.39139	9.96
Valid N (listwise)	32			(78.53%)		

सारणी संख्या-01 से स्पष्ट है कि 32 कथनों के लिए माध्य अभिवृत्ति फलक 3.93 अर्थात 78.53 प्रतिशत हैं। यह दर्शाता है कि कौशल विकास कार्यक्रम के प्रति छात्र अध्यापकों की अभिवृत्ति बहुत हद तक सकारात्मक है। विचरण शीलता गुणांक का मान 09.96 है जिसका अर्थ है कि अभिवृत्ति में लगभग 10 प्रतिशत विचरणशीलता है जो कि काफी कम है फलस्वरुप कहा जा सकता है कि छात्र अध्यापकों की अभिवृत्तिकौशल विकास कार्यक्रमों के प्रति काफी हद तक सकारात्मक है।

आयाम अनुसार छात्र अध्यापकों की कौशल विकासकार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति का विश्लेषण

छात्र अध्यापकके लिए कौशल विकासकार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति मापनी में चार आयाम थे। आयाम अनुसारप्रदत्तों का विश्लेषण निम्नलिखित हैं-

शिक्षण अभ्यास पूर्व कौशल विकास क्रियाकलाप

(उन्मुखीकरण कार्यक्रम /सूक्ष्म शिक्षण / कौशल एकीकरण/ अनुरूपण शिक्षण)

सारणीसंख्या- 03:कथन के अनुसार छात्र अध्यापकों की कौशल विकासकार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति के प्रति प्रतिक्रियाए, मध्यमान और प्रतिशत

क्रमांक संख्या	कथन का प्रकार	अभिमत श्रेणिया					म.मान	%
		पूर्ण सहमत	सहमत	अनिश्चित	असहमत	पूर्णत: असहमत		
01.	सकारात्मक	268	150	08	02	02	4.58	91.6
06.	सकारात्मक	16	33	95	162	124	3.80	76.00
10.	नकारात्मक	**30**	**65**	**100**	**163**	**72**	**3.42**	**68.4**
17.	नकारात्मक	**27**	**78**	**73**	**161**	**91**	**3.49**	**69.8**
21.	सकारात्मक	87	195	105	25	18	3.71	74.2
26	सकारात्मक	64	216	82	62	06	3.62	72.4

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

	N	Minimum	Maximum	Mean (%)	Std. Deviation	Cv
Attitude Valid N (listwise)	6 6	3.42	4.58	3.7700 (75.40)	.42048	11.15

व्याख्या-सारणी संख्या 03 से स्पष्ट है कि 06कथनों के लिए माध्य अभिवृत्ति फलक 3.78 अर्थात 75.40 प्रतिशत हैं। यह दर्शाता है कि कौशल विकास कार्यक्रम के प्रति छात्र अध्यापकों की अभिवृत्ति बहुत हद तक सकारात्मक है। विचरणशीलता गुणांक का मान 11.15 है जिसका अर्थ है कि अभिवृत्ति में लगभग 11प्रतिशत विचरणशीलता है जो कि काफी कम है फलस्वरुप कहा जा सकता है कि छात्र अध्यापकों कीअभिवृत्ति शिक्षण अभ्यास पूर्व कौशल विकास क्रियाकलापकार्यक्रमों के प्रति काफी हद तक सकारात्मक है।

पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन

सारणीसंख्या- 05:कथन के अनुसार छात्र अध्यापकों की कौशल विकासकार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति के प्रति प्रतिक्रियाए, मध्यमान और प्रतिशत

क्रमांक संख्या	कथन का प्रकार	अभिमत श्रेणिया					म.मान	%
		पूर्णत: सहमत	सहमत	अनिश्चित	असहमत	पूर्णत: असहमत		
11.	सकारात्मक	231	165	22	07	05	4.41	88.2
13.	नकारात्मक	**29**	**95**	**66**	**146**	**94**	**3.42**	**68.4**
30.	सकारात्मक	100	163	72	65	30	3.55	71.0

व्याख्या-पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन के प्रति अभिवृत्ति में कुल 03 कथन थे जो क्रमशः 11,13 तथा 30 थे।इनमं कथन 13नकारात्मकका कथन और 11, 30सकारात्मक के कथन थे। सारणी में प्रत्येक कथन पर छात्र अध्यापकों की अनुक्रियाएं और कथन का औसत मान तथा उसका प्रतिशत दर्शाए गए हैं। कथन 11 में मध्यमान4.41और प्रतिशत 88.2 है।कथन 13 में मध्यमान3.42और प्रतिशत 68.4 है।कथन 30 में मध्यमान 3.55और प्रतिशत 71.0है।

उपरोक्त विवरण अनुसार स्पष्ट हैं कि इस आयाम के कुल 03 कथनों पर छात्र अध्यापकों कि अभिवृत्ति धनात्मक हैं तथा उच्च प्रतिशत में छात्र अध्यापक पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन के संदर्भ में सकारात्मक प्रतिक्रिया प्रदर्शित करते हैं। अत: उपरोक्त सभी गतिविधियों को कौशल विकास कार्यक्रम का अंग बनाये जाना अच्छा हैं।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

सारणीसंख्या- 06:कौशल विकासकार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान,माध्य विचलन एवं विचरणशील गुणांक

	N	Minimum	Maximum	Mean (%)	Std. Deviation	Cv
Attitude	3	3.42	4.41	3.7933 (76.86%)	.53799	14.18
Valid N (listwise)	3					

व्याख्या-सारणी संख्या-4.13 से स्पष्ट है कि 03कथनों के लिए माध्य अभिवृत्ति फलक 3 .79 अर्थात 7 6.86 प्रतिशत हैं। यह दर्शाता है कि कौशल विकास कार्यक्रम के प्रति छात्र अध्यापकों की अभि वृत्ति बहुत हद तक सकारात्मक है । विचरणशीलता गुणांक का मान 14.18 है जिसका अर्थ है कि अभिवृत्ति में लगभग 1 4प्रतिशत विचरणशीलता है जो कि काफी कम है फलस्वरुप कहा जा सकता है कि छात्र अध्यापकों की अभिवृत्ति पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन के प्रति काफी हद तक सकारात्मक है।

विद्यालय प्रशिक्षण (Internship)

सारणीसंख्या- 07:कथन के अनुसार छात्र अध्यापकों की कौशल विकासकार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति के प्रति प्रतिक्रियाए, मध्यमान और प्रतिशत

क्रमांक संख्या	कथन का प्रकार	अभिमत श्रेणिया					म.मान	%
		पूर्णत: सहमत	सहमत	अनिश्चित	असहमत	पूर्णत: असहमत		
02.	नकारात्मक	**14**	**53**	**75**	**154**	**134**	**3.79**	**75.8**
05.	सकारात्मक	167	211	41	10	01	4.23	84.6
08	नकारात्मक	**15**	**86**	**98**	**142**	**89**	**3.47**	**69.4**
14.	सकारात्मक	160	200	33	27	10	4.1	82.00
16.	सकारात्मक	123	210	52	38	07	3.93	78.6
18.	सकारात्मक	83	199	80	60	08	3.79	73.4
19.	नकारात्मक	**25**	**37**	**64**	**158**	**146**	**3.84**	**76.8**
24.	सकारात्मक	176	214	26	10	04	4.27	85.4

व्याख्या- विद्यालय प्रशिक्षणके प्रति अभिवृत्ति में कुल 08 कथन थे जो क्रमशः 02,05,08,14,16,18,19,24 थे।इनमें कथन 02,08,19नकारात्मक के कथन और 05,14,16,18,24सकारात्मक के कथन थे। सारणी में प्रत्येक कथन पर छात्र अध्यापकों की अनुक्रियाएं और कथन का औसत मान तथा उसका प्रतिशत दर्शाए गए हैं। कथन 02 में मध्यमान3.79और प्रतिशत 75.8 है।कथन 05 में मध्यमान4.23और प्रतिशत 84.6 है।कथन 08 में मध्यमान3.47और प्रतिशत 69.4 है।कथन 14 में मध्यमान4.1और प्रतिशत 82.00 है।कथन 16 में मध्यमान3.93और प्रतिशत 78.6 है।कथन 18 में मध्यमान3.79और प्रतिशत 73.4 है।।कथन 19 में मध्यमान3.84 और प्रतिशत 76.8 है।कथन 24 में मध्यमान4.27और प्रतिशत 85.4 है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

उपरोक्त विवरण अनुसार स्पष्ट हैं कि इस आयाम के कुल 08 कथनों पर छात्र अध्यापकों कि अभिवृत्ति धनात्मक हैं तथा उच्च प्रतिशत में छात्र् अध्यापकविद्यालय प्रशिक्षणके संदर्भ में सकारात्मक प्रतिक्रिया प्रदर्शित करते हैं। अत: उपरोक्त सभी गतिविधियों को कौशल विकास कार्यक्रम का अंग बनाये जाना अच्छा हैं।

सारणीसंख्या- 08:कौशल विकासकार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान मध्य विचलन एवं विचरणशील गुणांक

	N	Minimum	Maximum	Mean (%)	Std. Deviation	CV
Attitude	8	3.47	4.27	3.9275	.26548	6.75
Valid N (listwise)	8			(78.55%)		

व्याख्या- सारणी संख्या-4.15 से स्पष्ट है कि 08कथनों के लिए माध्य अभिवृत्ति फलक 3.93 अर्थात 78.55 प्रतिशत हैं। यह दर्शाता है कि कौशल विकास कार्यक्रम के प्रति छात्र अध्यापकों की अभिवृत्ति बहुत हद तक सकारात्मक है। विचरण शीलता गुणांक का मान 6.75 है। जिसका अर्थ है कि अभिवृत्ति में लगभग 7प्रतिशत विचरणशीलता है जो कि काफी कम है फलस्वरुप कहा जा सकता है कि छात्र अध्यापकों की अभिवृत्तिविद्यालय प्रशिक्षणकार्यक्रमों के प्रति काफी हद तक सकारात्मक है।

व्यावसायिक दक्षता संवर्धन कार्यक्रम

सारणीसंख्या- 09:कथन के अनुसार छात्र अध्यापकों की कौशल विकासकार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति के प्रति प्रतिक्रियाए, मध्यमान और प्रतिशत

क्रमांक संख्या	कथन का प्रकार	अभिमत श्रेणिया					म.मान	%
		पूर्णत: सहमत	सहमत	अनिश्चित	असहमत	पूर्णत: असहमत		
03.	सकारात्मक	190	194	35	06	05	4.29	85.8
04.	सकारात्मक	199	189	30	10	02	4.33	86.6
07.	नकारात्मक	**18**	**26**	**54**	**138**	**194**	**4.07**	**81.4**
09.	सकारात्मक	283	120	18	07	02	4.56	91.2
12.	नकारात्मक	**22**	**38**	**50**	**132**	**188**	**3.99**	**79.8**
15.	सकारात्मक	69	173	94	71	23	3.45	69.00
20.	सकारात्मक	287	116	13	08	06	4.55	91.00
22.	सकारात्मक	234	138	35	15	08	4.33	86.6
23.	नकारात्मक	**30**	**55**	**58**	**162**	**125**	**3.69**	**73.8**
25.	नकारात्मक	**23**	**60**	**38**	**154**	**155**	**3.83**	**76.6**
27.	नकारात्मक	**45**	**89**	**133**	**115**	**48**	**3.07**	**61.4**
28.	नकारात्मक	**19**	**46**	**61**	**188**	**116**	**3.78**	**75.6**
29.	सकारात्मक	115	217	66	22	10	3.94	78.8
31.	सकारात्मक	212	174	36	06	02	4.36	87.2
32.	सकारात्मक	169	172	67	17	05	4.12	82.4

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

व्याख्या-व्यावसायिक दक्षता संवर्धन कार्यक्रमके प्रति अभिवृत्ति में कुल 15 कथन थे जो क्रमशः 03,04,07,09,12,15,20,22,23,25,27,28,29,31,32 थेइनमें कथन 07,12,23,25,27,28नकारात्मकके कथन और 03,04,09,15,20,22,29,31,32सकारात्मक के कथन थे। सारणी में प्रत्येक कथन पर छात्र अध्यापकों की अनुक्रियाएं और कथन का औसत मान तथा उसका प्रतिशत दर्शाए गए हैं। कथन 03 में मध्यमान4.29और प्रतिशत 85.8 है।कथन 04 में मध्यमान4.33और प्रतिशत 86.6 है।कथन 07 में मध्यमान4.07और प्रतिशत 81.4 है।कथन 09 में मध्यमान4.56और प्रतिशत 91.2 है।कथन 12 में मध्यमान3.99और प्रतिशत 79.8 है।कथन 15 में मध्यमान3.45और प्रतिशत 69.00 है।कथन 20 में मध्यमान4.55 और प्रतिशत 91.00 है।कथन 22 में मध्यमान4.33और प्रतिशत 86.6 है।कथन 23 में मध्यमान3.69 और प्रतिशत 73.8 है।कथन 25 में मध्यमान3.83और प्रतिशत 76.6 है।कथन 27 में मध्यमान3.07 और प्रतिशत 61.4 है।कथन 28 में मध्यमान3.78और प्रतिशत 75.6 है।कथन 29 में मध्यमान3.94और प्रतिशत 78.8 है।कथन 31 में मध्यमान4.36 और प्रतिशत 87.2 है।कथन 32 में मध्यमान 4.12और प्रतिशत 82.4 है।

उपरोक्त विवरण अनुसार स्पष्ट हैं कि इस आयाम के कुल 15 कथनों पर छात्र अध्यापकों कि अभिवृत्ति धनात्मक हैं तथा उच्च प्रतिशत में छात्र अध्यापक व्यावसायिक दक्षता संवर्धन कार्यक्रम के संदर्भ में सकारात्मक प्रतिक्रिया प्रदर्शित करते हैं। अत: उपरोक्त सभी गतिविधियों को कौशल विकास कार्यक्रम का अंग बनाये जाना अच्छा हैं।

सारणीसंख्या- 10 :कौशल विकासकार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान, मध्य विचलन एवं विचरणशील गुणांक

	N	Minimum	Maximum	Mean	Std. Deviation	Cv
Attitude Valid N (listwise)	15 15	3.07	4.56	4.0240 (80.48%)	.41428	10.29

व्याख्या- सारणी संख्या-09 से स्पष्ट है कि 15कथनों के लिए माध्य अभिवृत्ति फलक 4.02 अर्थात 80.48 प्रतिशत हैं। यह दर्शाता है कि कौशल विकास कार्यक्रम के प्रति छात्र अध्यापकों की अभिवृत्ति बहुत हद तक सकारात्मक है। विचरण शीलता गुणांक का मान 10.29 है। जिसका अर्थ है कि अभिवृत्ति में लगभग 10प्रतिशत विचरणशीलता है जो कि काफी कम है फलस्वरुप कहा जा सकता है कि छात्र अध्यापकों की अभिवृत्तिव्यावसायिक दक्षता संवर्धन कार्यक्रमों के प्रति काफी हद तक सकारात्मक है।

परिणाम

सभी कथनों के लिए अभिवृत्ति मापनी का माध्य अभिवृत्ति फलक 3.93 अर्थात 78.53 प्रतिशत हैं। यह दर्शाता है कि कौशल विकास कार्यक्रम के प्रति छात्र अध्यापकों की अभिवृत्ति बहुत हद तक सकारात्मक है।छात्र अध्यापकों कीअभिवृत्ति में लगभग दसप्रतिशत विचरणशीलता है जो कि काफी कम है फलस्वरुप कहा जा सकता है कि छात्र अध्यापकों की अभिवृत्तिकौशल विकास कार्यक्रमों के प्रति काफी हद तक सकारात्मक है।

आयाम अनुसार छात्र अध्यापकों की कौशल विकासकार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति का विश्लेषण

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

छात्र अध्यापकके लिए कौशल विकासकार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति मापनी में चार आयाम थे। आयाम अनुसारप्रदत्तों का विश्लेषण के आधार पर परिणाम निम्नलिखित हैं-

1. शिक्षण अभ्यास पूर्व कौशल विकास क्रियाकलाप

(उन्मुखीकरण कार्यक्रम /सूक्ष्म शिक्षण / कौशल एकीकरण/ अनुरूपण शिक्षण)

शिक्षण अभ्यास पूर्व कौशल विकास क्रियाकलापों केकथनों के लिए माध्य अभिवृत्ति फलक 3.78हैं। यह दर्शाता है कि कौशल विकास कार्यक्रम के प्रति छात्र अध्यापकों की अभिवृत्ति बहुत हद तक सकारात्मक है।शिक्षण अभ्यास पूर्व कौशल विकास क्रियाकलापों केकथनों के लिए अभिवृत्ति में लगभग ग्यारहप्रतिशत विचरणशीलता है जो कि काफी कम है फलस्वरुप कहा जा सकता है कि छात्र अध्यापकों कीअभिवृत्ति शिक्षण अभ्यास पूर्व कौशल विकास क्रियाकलापकार्यक्रमों के प्रति काफी हद तक सकारात्मक है।

2.पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन

पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन के कथनों के लिए माध्य अभिवृत्ति फलक 3.79हैं। यह दर्शाता है कि कौशल विकास कार्यक्रम के प्रति छात्र अध्यापकों की अभिवृत्ति बहुत हद तक सकारात्मक है।पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयनके लिए अभिवृत्ति में लगभग चौदहप्रतिशत विचरणशीलता है जो कि काफी कम है फलस्वरुप कहा जा सकता है कि छात्र अध्यापकों की अभिवृत्ति पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन के प्रति काफी हद तक सकारात्मक है।

3. विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम

विद्यालय प्रशिक्षणकार्यक्रमों के थनों के लिए माध्य अभिवृत्ति फलक 3.93हैं। यह दर्शाता है कि कौशल विकास कार्यक्रम के प्रति छात्र अध्यापकों की अभिवृत्ति बहुत हद तक सकारात्मक है।विद्यालय प्रशिक्षणकार्यक्रमों के लिए अभिवृत्ति में लगभग सातप्रतिशत विचरणशीलता है जो कि काफी कम है फलस्वरुप कहा जा सकता है कि छात्र अध्यापकों की अभिवृत्तिविद्यालय प्रशिक्षणकार्यक्रमों के प्रति काफी हद तक सकारात्मक है।

व्यावसायिक दक्षता संवर्धन कार्यक्रम

व्यावसायिक दक्षता संवर्धन कार्यक्रमों के कथनों के लिए माध्य अभिवृत्ति फलक 4.02हैं। यह दर्शाता है कि कौशल विकास कार्यक्रम के प्रति छात्र अध्यापकों की अभिवृत्ति बहुत हद तक सकारात्मक है।व्यावसायिक दक्षता संवर्धन कार्यक्रमोंके लिए अभिवृत्ति में लगभग 10प्रतिशत विचरणशीलता है जो कि काफी कम है फलस्वरुप कहा जा सकता है कि छात्र अध्यापकों की अभिवृत्तिव्यावसायिक दक्षता संवर्धन कार्यक्रमों के प्रति काफी हद तक सकारात्मक है।

व्याख्या

अध्ययन और परिणामों से यह पाया गया किछात्र अध्यापकों कीअभिवृत्तिकौशल विकास कार्यक्रमों के प्रति काफी हद तक सकारात्मक है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

सुझाव

छात्र अध्यापकों कीकौशल विकास कार्यक्रमों के प्रति अभिवृत्ति में और सुधर के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए जा रहे हैं-

1. शिक्षण अभ्यास पूर्व उन्मुखीकरण कार्यक्रम को प्रभावी तरीके से आयोजित किया जाना चाहिए।
2. सूक्ष्मशिक्षण कार्यक्रम को गंभीरतापूर्वक आयोजित किया जाना चाहिए।
3. सूक्ष्मशिक्षण कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा कौशलों का अभ्यास कराया जाना चाहिए।
4. अभ्यास शिक्षण में जाने से पहले छात्र शिक्षकों आवश्यक तैयारी कराई जानी चाहिए।
5. विभिन्न कार्यशालों का आयोजन विशेषज्ञों के द्वारा आयोजित कराया जाना चाहिए।
6. अच्छे विद्यालयों में अभ्यास शिक्षण(इंटर्नशिप) आयोजित किया जाना चाहिए।
7. पर्यवेक्षकों द्वारा गंभीरता पूर्वक छात्र अध्यापकों को अवलोकित किया जाना चाहिए।
8. छात्र अध्यापकों को शिक्षण की नवीन विधियों व प्रविधियों से अवगत कराया जाना चाहिए।

निष्कर्ष

पहलेसमाज की यह धारणा थी कि अध्यापक जन्मजात होते हैं लेकिन अब अध्यापक शिक्षाके द्वारा उनमें विभिन्न कौशलों- व्यक्तित्व, सामाजिक, नैतिक, व्यवसायिक तथा सांस्कृतिक गुणों का विकास करके उन्हें अध्यापक के विभिन्न उत्तरदायित्व को सफलतापूर्वक व प्रभावशाली ढंग से निर्वहन करने के योग्य बनाया जाता हैं

संदर्भ ग्रन्थ सूची

गुप्ता, एस.पी.(2015.) आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन,इलाहाबाद:शारदा पुस्तक भंडार
डॉ. सुलैमान,मु. (2016). मनोविज्ञान शिक्षा एवं अन्य विज्ञानं में सामाजिक सांख्यिकी: वाराणसी, मोतीलाल बनारसीदस
भार्गव, म.(2010). रिसर्च मेथोलाजी इन विहैविहर साइंस: दिल्ली पी.एच.आई. लर्निंग प्राइवेट लि
कपिल,एच.के.(2011). अनुसन्धान विधियाँ, आगरा: एच .पी. भार्गव बुक हाउस
सिंह,अ. (2014). मनोविज्ञान समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियां, वाराणसी: मोतीलाल बनारसीदास
सक्सेना, एन. आर.(2008). शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत, मेरठ:आर. लाल बुक डिपो लाल, बिहारी, र.(2008). भारतीय शिक्षा का इतिहास विकास एवं समस्याएं, मेरठ: आर. लाल बुक डिपो
राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्,नयी दिल्ली
अध्यापक शिक्षा में नीतिगत परिदृश्य: विवेचन एवं प्रलेखन(2001).एन.सी.टी.ई.नई दिल्ली
कोठारी शिक्षा आयोग : शिक्षा कमीशन रिपोर्ट (1964-66), शिक्षा (1964-66)कमीशन, नई दिल्ली
राष्ट्रीय शिक्षा नीति : शिक्षा कमीशन रिपोर्ट (1986)
मान, मं.(2012).“प्रशिक्षुओं के वृत्तिक विकास में सेवापूर्व शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रम की उपादेयता-एक अध्ययन”,राजस्थान: वनस्थली विद्यापीठ विश्वविद्यालय

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies